>

Title: Need to provide pay parity, other facilities and re-employment opportunities to the para-military personnel after their retirement.

डॉ. राजन सुशान्त (कांगड़ा): आदरणीय सभापति महोदय, आज देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं हैं। देश को एक ओर चीन से खतरा बढ़ गया है और दूसरी ओर पाकिस्तान से। ऐसे समय पर देश के सुरक्षा बलों का मजबूत होना बहुत आवश्यक है, लेकिन मुझे खेद है कि अभी तक 'वन रैंक वन पेंशन' लागू नहीं हुई, जिससे सेना का मनोबल गिरा है। दूसरी ओर सुरक्षा बलों के साथ-साथ जो अर्धसैनिक बल हैं, उनका भी मनोबल गिर रहा है। उनका कहना है कि हम हमेशा प्राकृतिक आपदा में काम करते हैं, फिर चाहे बाढ़ हो, सूखा हो, भूकम्प हो, आतंकवाद हो या सीमा की सुरक्षा हो। हम सेना के समान ही यानी एक जैसा काम करते हैं, लेकिन समान काम के लिए न तो समान वेतन मिलता है, न भत्ते, न सुविधाएं, न प्रमोशन मिल रही है और न ही रिटायरमेंट के बाद जो सुविधाएं मिलनी चाहिए, वे मिल रही हैं। इसलिए मैं मांग करता हूं कि पैरा-मिलिट्री फोर्सेस को भी सेना की तरह ही पूरी सुविधाएं दी जाएं। उन्हें सेना के समान ही पूरे भत्ते, वेतन और रिटायरमेंट के बाद पेंशन, पारिवारिक पेंशन, मैडीकल एड, कैंटीन की सुविधा और उन्हें रोजगार की सारी सुविधाएं दी जाएं। आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय को सदन में उठाने की अनुमति दी, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

*m29

Title: Need to check adulteration in food items and medicines in the country.

श्री वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़): सभापति महोदय, आज देश में खाद्य पदार्थों और दवाओं में व्यापक मात्रा में मिलावट हो रही है और यह मिलावट ऐसे पदार्थों की हो रही है, जो स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, प्राणों के लिए भी घातक हैं। मिलावट के कारण तरह-तरह की बीमारियां बढ़ रही हैं। आज देश में लगभग हर दूसरा व्यक्ति किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त है।

महोदय, भारतीय उपमहाद्वीप की स्थिति इतनी विस्फोटक है कि बांगलादेश में प्रति वर्ष मिलावट के कारण 40 हजार व्यक्तियों के गुर्दे खराब हो जाते हैं और वे मृत्यु की गोद में चले जाते हैं। पाकिस्तान में प्रत्येक वर्ष लगभग 50 हजार बच्चे गुर्दे खराब हो जाने के कारण मृत्यु की गोद में चले जाते हैं। भारतवर्ष में लाखों की संख्या में लोगों के गुर्दे और लीवर खराब हो जाते हैं और वे मौत की गोद में समा जाते हैं।

महोदय, इस मिलावट की रोकथाम के लिए जो प्रयास किए गए हैं, वे असफल रहे हैं। वर्ष 2006 में मिलावट की रोकथाम के लिए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड एक्ट पारित हुआ था, किन्तु इसके नियमों का आज तक ठीक ढंग से क्रियान्वयन नहीं हो पाया है। अतः मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि शीघ्र ही इस संबंध में प्रभावी कदम उठाए जाएं और खाद्य पदार्थों एवं दवाओं में हो रही मिलावट पर रोक की कार्रवाई करें और मिलावट करने वाले लोगों के विरुद्ध ऐसे दंडात्मक कदम उठाए जाएं जिससे वे मिलावट करने की हिम्मत न कर सकें।

*t30

Title: Need to open additional LPG Agencies and increase LPG supply in Idulkki Parliamentary Constituency, Kerala.

SHRI P.T. THOMAS (IDUKKI): Thank you, Mr. Chairman Sir. My parliamentary constituency Idukki is mostly hilly forest area which is an eco friendly area too. For balancing bio diversity, the cutting of firewood is strictly prohibited by law, due to which consumption of LPG is an unavoidable requirement for the people living in my constituency. But, in fact, the allotment rate of LPG in that area is comparatively low with that in other areas.

In view of the above fact, I would urge upon the Government to take necessary steps to allow more gas agencies in Idukki parliamentary constituency and increase the supply in Kothamanglam, Muvathupuzha, Thodupuzha, Idukki, Udambanchola, Peerimade, and Devikulam areas of my parliamentary constituency.

*t31

Title: Need to take immediate steps to prevent death due to starvation in Fatehpur Parliament Constituency of Uttar Pradesh and include the eligible people in the list of B. P. L. category.

श्री राकेश सचान (फतेहपुर): सभापति जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे अत्यन्त लोक महत्व के गम्भीर विषय को सदन में उठाने की अनुमति प्रदान की। मैं सदन को अवगत कराना चाहता हूं कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र, जनपद फतेहपुर में एक दलित परिवार का मुखिया, राम बरन पासी, जो ग्राम अल्लीपुर भादर, ब्लॉक एरायां का रहने वाला था। उसकी तीन तारीख को भुख से मौत हो गई। जब

वहां के लोगों को पता चला, वे गए, तो देखा कि वह मृत पड़ा था और एक किलो आटा भी उसके घर में नहीं था। सरकार की कोई भी राहत उसे नहीं मिली। न ए.पी.एल. कार्ड, न बी.पी.एल. कार्ड, न इंदिरा आवास योजना में और यहां तक कि नरेगा में उसका जॉब कार्ड बना था, लेकिन उसे एक दिन का भी काम नहीं मिला। बाद में जनपद के अधिकारियों और सारे लोगों ने यह अवगत कराया कि उसका जॉब कार्ड तो बना था, लेकिन एक भी दिन का कार्य उसे नहीं मिला था। इस तरह से भूख से उसकी मौत हो गई। अब उसके परिवार में 10 साल का एक छोटा बच्चा, नाबालिक एक बेटी और पत्नी है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि मृतक के परिवार की आर्थिक सहायता करे और कम से कम 5 लाख रुपए मुआवजा दे।

महोदय, हमारे मंत्री जी सदन में उपस्थित हैं। जैन साहब, आप पता करिए। मनरेगा में अपने आप बड़ी पीठ थपथपाते हैं। मेरे जनपद में एक ही नहीं, ऐसी कइयों मौतें हुयी हैं। गरीबी रेखा के नीचे की कोई भी योजना का लाभ उनको नहीं मिल रहा है। अभी तक गरीबों की पहचान किए जाने की सरकार कोई व्यवस्था नहीं कर रही है और न ही उन योजनाओं का उनको कोई लाभ मिल रहा है। मैं मांग करता हूं कि इसको गंभीरता से लें और प्रदेश सरकार को भी इस पर निर्देशित करें कि वह भी सहायता दे और केंद्र सरकार भी सहायता दे।

*t32

Title: Need to set up LPG Agencies in Supaul district headquarters, Bihar.

श्री विश्व मोहन कुमार (सुपौल): माननीय सभापति महोदय, सदन के माध्यम से माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री जी का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र सुपौल की तरफ आकृष्ट करना चाहता हूं और जनहित का एक प्रमुख मुद्दा उठाना चाहता हूं। सुपौल जिला मुख्यालय होने के बावजूद एक भी गैस एजेंसी वहां अभी तक नहीं है। शायद यह भारत वर्ष में पहला जिला होगा, जहां एक भी गैस एजेंसी नहीं है। पहले एक संगीता इंडेन थी, लेकिन यह कानूनी अड़चन के चलते 15 वर्षों से बंद है।

शहर के उपभोक्ताओं को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। त्रिवेणीगंज के भवानी इंडेन से तत्कालिक तौर पर सुपौल एवं राधोपुर में सप्लाई करना पड़ता है, जो पर्याप्त नहीं है। अधिकांश कालाबाजारी में सिलेंडर चला जाता है। वहां 26 गाड़ी ही आती हैं, जिसे तीन शहरों में बांटा जाता है। यह अनुकूल नहीं है।

अतः माननीय मंत्री जी से आग्रह है कि सुपौल मुख्यालय सहित राधोपुर, करजैन बाजार, निर्मली, कुनौली, पिपरा, वीरपुर एवं मधेपुरा जिला के शंकरपुर, कुमारखंड में गैस एजेंसी की अविलंब व्यवस्था की जाए, ताकि लोगों के आक्रोश एवं जनसमस्याओं का समाधान हो सके।

*t33

Title Poor conditions of National Highways in Satna Parliamentary Constituency, Madhya Pradesh.

श्री गणेश सिंह (सतना): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के भूतल परिवहन मंत्रालय का ध्यान मध्य प्रदेश में विशेष रूप से मेरे लोकसभा क्षेत्र सतना में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 7 एवं 75 की अत्यंत खराब एवं जर्जर हालत की ओर दिलाना चाहता हूं। पहले इन दोनों सड़कों की मरम्मत का दायित्व राज्य सरकार के पास था। जब से इस विभाग के मंत्री श्री कमलनाथ जी बने, तब से प्रदेश की हजारों किलोमीटर सड़कों की मरम्मत की जिम्मेदारी उन्होंने स्वयं लेकर एनएचएआई को दे दिया। आज एनएच 7 की हालत बेला से झुकेही तक अत्यंत खराब है। पूरी सड़क गड्ढों में समाहित हो गयी है। इसी सड़क के ऊपर मैहर में फ्लाई ओवर बनाने का काम अब तक प्रारंभ नहीं हो पाया है, जबकि राज्य सरकार ने अपना हिस्सा दे दिया है। इसी तरह एनएच 75 छतरपुर से बेला तक इतनी खराब एवं जर्जर हो गयी है कि रोज सड़क दुर्घटनायें हो रही हैं, लेकिन उसका सुधार नहीं हो पाया है। इसी सड़क में सतना नगर के पहले सोहावल मोड़ से होते हुए मटेहना औद्योगिक क्षेत्र होते हुए टमस नदी में नया पुल बनाकर सिधौली में मिलाने का प्रस्ताव लंबे समय से विचाराधीन है। मैं उसकी तत्काल स्वीकृति की मांग करता हूं। इसी तरह दोनों राष्ट्रीय राजमार्गों को भी चार लाइन बनाने की मांग करता हूं।

महोदय, दो मार्च को मेरे एक प्रश्न के उत्तर में माननीय राज्य मंत्री ने जवाब दिया कि केंद्रीय सड़क निधि के अंतर्गत म. प्र. ने 83 प्रस्ताव भेजे थे, लेकिन अब तक 56 प्रस्ताव स्वीकृत किए, लेकिन बाकी प्रस्ताव बिना किसी कारण के वापस कर दिए गए। मैं मांग करता हूं कि मेरे लोकसभा क्षेत्र में रामपुर से अवेर तक की सड़क, बगहाई, सिजहटा, हिनौती, टमस नदी में पुल, मलगांव, गौरहया, खम्हरिया, सेमरावल नदी में पुल, अकौना होते हुए अवेर तक बनाने का कष्ट करें।

*t34

Title* h Need to undertake repair of NH 28B connecting Chapa to Padravna via Bagaha in Bihar.

श्री पूर्णमासी राम (गोपालगंज): महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि बिहार के छपवा से बगहा होते हुए पडड़ौना जाने वाली एनएच 28(बी), जो मदनपुर जंगल होकर जाती है, सैकड़ों वर्षों से कच्ची सड़क के रूप में चल रही थी। बाद में जब बगहा छितौनी रेल सहपक्की सड़क के रूप में निर्माण हुआ, उस वक्त रेलवे द्वारा वन विभाग को वन की जमीन के बदले मदनपुर के किसानों की जमीन खरीदकर बदलैन के रूप में दिया गया। रेल विभाग ने वन लगाने हेतु वन विभाग को पैसा भी दिया और साथ ही पेड़ पौधे भी लगवाये गये, परंतु आज भी रेल विभाग को वन विभाग द्वारा बदलैन के रूप में प्राप्त जमीन पर बनायी गयी रेल लाइन सहपक्की सड़क पर वन विभाग द्वारा मरम्मत नहीं करने दिया जा रहा है, जबकि नियमानुसार उक्त जमीन पर वन विभाग का कोई अधिकार नहीं है। यह रेल सहपक्की सड़क यू.पी. के उत्तरी-पूर्वी इलाके और बिहार के लोगों के लिए आने-जाने का एकमात्र मार्ग है, जो उसे जोड़ता है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि माननीय मंत्री जी इस पर ध्यान देंगे, क्योंकि वह रास्ता अगर बंद हो जाता है, तो उत्तर बिहार के लोगों को और यू.पी. के पूर्वी और उत्तरी इलाके के लोगों को हजारों किलोमीटर घूमकर जाना पड़ेगा। इसलिए मेरा निवेदन है कि उस पर ध्यान देकर कार्रवाई करने का कष्ट करें, धन्यवाद।

*t35

Title: Losses incurred by bank customer due to currency losses from Forex Derivatives.

*SHRI SIVASAMI (TIRUPUR) : Hon'ble Chairman I wish to bring to the notice of the august House, through you, the sorry state of affairs of the exporters in my parliamentary constituency, Tirupur, in Tamil Nadu. In order to improve India's exports, and to render assistance to the exporters, banks have been extending loans and monitoring Small and Medium Exterprises (SMEs).

In 2007, when there was steep appreciation of Indian rupee against US dollar, the exporters from Tirupur as well as other parts of the country incur red heavy losses. This was because many banks entered into Forex Derivative contract with SMEs by cajoling them. It resulted in exporters of Tirupur and other parts of the country losing thousands of crores of rupees. In Tirupur alone, exporters have lost a sum of Rs.300 crore. In many other states, exporters have lost to the tune of approximately Rs.8,000 crore. SBI and other banks have flouted the instructions and guidelines of both the RBI and FEMA rules and converted these loss account as long term loan, which has undeniably added to their burden.

These exporters approached the Standing Committee on Finance and RBI and ventilated their genuine grievances. RBI, issued instructions to keep the profit and loss account of these exporters separately to protect them. Except the SBI, all other banks have accepted and implemented the instructions of RBI.

When the Bankers going to court against the exporters the issue was taken to Orissa High Court. It ordered CBI to carry out a thorough investigation into this sordid aspect after registering a case in which it was found out by CBI that the banks flouted the RBI guidelines. But to the utter dismay of affected exporters, Association of Bankers have obtained interim stay from the Supreme Court against the CBI enquiry ordered by the Orissa High Court.

Under these circumstances, I strongly urge upon UPA Government to order CBI enquiry on a war-footing and to protect the exporters of Tirupur and others from the clutches of Forex Derivatives contract which the banks have entered into with these exporters by flouting the RBI guidelines.

*t36

Title: Need to prevent security lapses which occurred at Kaiga Nuclear Power Plant.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): सभापति महोदय, मैं संसद का ध्यान पिछले दिनों दैनिक समाचार पत्रों में 'कैगा न्यूक्लियर पावर प्लांट' के संबंध में प्रकाशित समाचारों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं जिसमें कैगा के परमाणु ऊर्जा संयंत्र में सुरक्षा के स्तर पर चूक के कारण हुई गड़बड़ी के बारे में लिखा है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ऑपरेशनल एरिया से ट्रिटियम जल चुराया गया और इसे एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा पीने के पानी में वाटर कूलर में मिला दिया गया। जांच के अनुसार 55 कर्मचारियों में रेडियो एक्टिव पदार्थ निर्धारित सीमा से अधिक पाया गया।

एक ग्राम ट्रिटियम से एक मेगा टन थर्मो न्यूक्लियर वार हैड का निर्माण होता है। इसका उपयोग जैविक और पर्यावरण अध्ययन में तथा ल्युमिनियस पेंट में किया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में एक किलोग्राम ट्रिटियम का मूल्य 72 करोड़ रुपये बताया जाता है।

परमाणु संयंत्रों का कामकाज बहुत ही जटिल तकनीकी मामला है और इसमें सीक्रेसी भी जुड़ी रहती है।

दुनिया में कई परमाणु संयंत्रों में लापरवाही की घटनाएं प्रकाश में आ चुकी हैं। लेकिन कैगा के परमाणु ऊर्जा संयंत्र में सुरक्षा में चूक के कारण हुई गड़बड़ी से हमें बहुत सावधान होने की जरूरत है ताकि परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को किसी भी तरह की हानि से पूर्णतः मुक्त रखा जा सके। इसके लिए सभी सुरक्षा विभागों जैसे आईबी, रॉ तथा एनटीआरओ आदि के अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक की जरूरत है जिसमें परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके। यह भी पूरी सावधानी रखी जाए कि ट्रिटियम किसी भी तरह आतंकवादियों के हाथ न पड़े। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था पर कम से कम त्रैमासिक पुनर्विचार कर उसे अपडेट करते रहना चाहिए।

MR. CHAIRMAN : The House stands adjourned to meet again tomorrow, the 5th March, 2010 at 11 a.m.

20.24 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Friday, March 5, 2010/Phalguna 14, 1931 (Saka)

---

* The sign + marked above the name of a Member indicates that the Question was actually asked on the floor of the House by that Member.

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Treated as laid on the Table

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

*Speech was laid on the Table

* English translation of the speech originally delivered in Punjabi.

* Speech was laid on the Table

*Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Not recorded

* Speech was laid on the Table

* Not recorded

* Not recorded

* Speech was laid on the Table

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Speech was laid on the Table

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Speech was laid on the Table

* Not recorded

* Speech was laid on the Table.

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Expunged as ordered by the Chair

* Not recorded

* Speech was laid on the Table

* English translation of the speech originally delivered in Tamil

* Not recorded

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Not recorded

* English translation of the speech originally delivered in Punjabi

* Not recorded

â€¦. This part of the speech was laid on the Table

* â€¦.* This par of the speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* English translation of the speech originally delivered in Tamil